29. डायरी-लेखन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसके जीवन में अनेक घटनाएँ घटित होती रहती हैं। दिन-प्रतिदिन घटित घटनाओं को डायरी में लिखना ही डायरी-लेखन कहलाता है। इसे 'दैनंदिनी' भी कहते हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को डायरी-लेखन विधा के बारे में समझाएँ।
- ❖ डायरी-लेखन की परिभाषा से अवगत करवाएँ।
- ❖ छात्रों को डायरी-लेखन के दौरान ध्यान रखने योग्य बातों से अवगत करवाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए गए उदाहरणों को पढ़वाएँ।
- ❖ यह सुनिश्चित करें कि छात्रों को विषय भली-भाँति समझ आ गया है।
- ❖ प्रत्येक छात्र को अपने जीवन में घटी किसी घटना को डायरी में लिखने के लिए प्रेरित करें।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिया गया अभ्यास करवाएँ एवं यथासंभव सहायता करें।